CSU/Exam/ShodhShuddhi/2022/.........604

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058

दिनांक : 20.10.2022

अधिसूचना

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के समस्त परिसरों एवं पूर्णप्रज्ञ शोध संस्थान को सूचित किया जाता है कि **शोधशुद्धि** के माध्यम से शोधप्रबन्ध का Plagiarism हेतु परीक्षण करते समय अधोलिखित बिंदुओं पर ध्यान देंगे-

1. शोधशुद्धि समन्वयक यदि शोधप्रबन्ध परीक्षण कार्य विंडोज 7 एवं 8 ऑपरेटिंग सिस्टम में कर रहे हैं, तो केवल Mangal, Arial एवं Aparajita इन यूनिकोड फोन्ट्स का उपयोग करें।
2. शोधशुद्धि समन्वयक यदि शोधप्रबन्ध परीक्षण कार्य अपडेट विंडोज 10 एवं 11 ऑपरेटिंग सिस्टम में काम कर रहे हैं, तब कोकिला यूनिकोड फ़ॉन्ट स्वीकार्य है।
3. 'Ouriginal/Urkund' के माध्यम से Plagiarism परीक्षण करते समय संपूर्ण शोधप्रबन्ध को शोधशुद्धि समन्वयक एक फाइल (अधिकतम आकार सीमा- 25MB) में तैयार करें।
4. यदि किसी कारणवश शोधप्रबन्ध का 'Ouriginal/Urkund' द्वारा व्यवस्थित एवं समुचित रीति से परीक्षण न हो पाया है, जैसे परीक्षण परिणाम शून्य (0% Similarity) प्राप्त हुआ हो और शोधप्रबन्ध की उचित शब्द संख्या को न दर्शा रहा हो, तो पुनः परीक्षणार्थ अपलोड किया जाना आवश्यक है।
5. यदि शोधशुद्धि द्वारा परीक्षण परिणाम 10% से अधिक प्राप्त होता है, तो विश्वविद्यालय की शोधनीति (http://sanskrit.nic.in/uploads/2022_08_24_Research_Policy_Document.pdf) तथा Plagiarism नीति के अनुरूप शोध परामर्श समिति के निर्देशों के अनुपालन में शोधप्रबन्ध को संशोधित कर पुनः परीक्षणार्थ अपलोड करना होगा।
6. शोधप्रबन्ध को मूल्यांकनार्थ मुख्यालय प्रेषित करते समय Plagiarism Certificate को अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।
7. अन्य विवरण शोधनीति एवं Plagiarism नीति में द्रष्टव्य हैं।

R. K. Barman.
20.10.2022

प्रो. रणजित कुमार बर्मन

कुलसचिव

प्रति

1. कुलपति कार्यालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. अधिष्ठाता (शैक्षिक वृत्त)
4. अधिष्ठाता (शोध)
5. निदेशक/प्राचार्य, समस्त परिसर एवं पूर्ण प्रज्ञ शोध संस्थान
6. परियोजना अधिकारी (वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु)
7. सम्बद्ध सञ्चिका